

“मीठे बच्चे – तुम जितना बाप को याद करेंगे उतना आत्मा में लाइट आयेगी,
ज्ञानवान आत्मा चमकीली बन जाती है”

प्रश्न:- माया किन बच्चों को ज़रा भी तंग नहीं कर सकती?

उत्तर:- जो पक्के योगी हैं, जिन्होंने योगबल से अपनी सर्व कर्मेन्द्रियों को शीतल बनाया है, जो योग में ही रहने की मेहनत करते हैं, उन्हें माया ज़रा भी तंग नहीं कर सकती। जब तुम पक्के योगी बन जायेंगे तब लायक बनेंगे। लायक बनने के लिए प्योरिटी फर्स्ट है।

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

- 1) अब उत्तम पुरुष बनने के लिए याद के बल से आत्मा को पवित्र बनाना है कर्मेन्द्रियों से कोई भी विकर्म नहीं करना है।
- 2) ज्ञानवान बन आत्माओं को सुजाग करने की सेवा करनी है। आत्मा रूपी ज्योति में ज्ञान-योग का घृत डालना है। श्रीमत पर बुद्धि को स्वच्छ बनाना है।

वरदान:- विश्व में ईश्वरीय परिवार के स्नेह का बीज बोने वाले विश्व सेवाधारी भव

आप विश्व सेवाधारी बच्चे विश्व में ईश्वरीय परिवार के स्नेह का बीज बो रहे हो। चाहे कोई नास्तिक हो या आस्तिक.....सबको अलौकिक वा ईश्वरीय स्नेह की, निःस्वार्थ स्नेह की अनुभूति कराना ही बीज बोना है। यह बीज सहयोगी बनने का वृक्ष स्वतः ही पैदा करता है और समय पर सहजयोगी बनने का फल दिखाई देता है। सिर्फ कोई फल जल्दी निकलता है और कोई फल समय पर निकलता है।

स्लोगन:- भाग्यविधाता बाप को जानना, पहचानना और उनके डायरेक्ट बच्चे बन जाना यह सबसे बड़ा भाग्य है।